कामधेनु—एकीकृत आदिवासी डेयरी विकास परियोजना जिला झाबुआ
ग्राम—नानियासाथ,

नियमित आय से सुधरा जीवन

दुग्ध व्यवसाय के पूर्व हितग्राही की आर्थिक स्थितिः

दुधारू पशु प्राप्त होने के पूर्व टीटू के परिवार में स्वंय पति पत्नि,माता—पिता, 2 लड़के व 2 लड़कियां कुल 8 सदस्य है। टीटू के पास 2 बीघा जमीन है जिसमें मक्का,गेहूं तथा कपास लगाता है। परिवार के मान से आय कम होने से टीटू को वर्ष में 4 से 6 माह के लिए अलग अलग समय पर गुजरात में मजदूरी हेतु जाना पडता था।

समिति सदस्य —हितग्राही का नामः	**टीटू पिता जालम**
जातिः	**अनुसूचित जन जाति**
निवासीः	**ग्राम – नानियासाथ,**
दुग्ध सहकारी समिति का नामः	**नानियासाथ सहकारी दुग्ध समिति नानियासाथ**
सदस्य को प्रदायित दूधारू पशुः	**गाय—3**
वर्तमान में दुधारू पशुओं की संख्या :	**3 दुधारू पशु व 4 वत्स**

दुग्ध व्यवसाय के पश्चात हितग्राही के आर्थिक स्थिति में सुधार

कामधेनु परियोजना के अंतर्गत 3 दुधारू गाये मिलने पश्चात टीटू ने दुग्ध व्यवसाय प्रारंभ किया। टीटू को प्रथम गाय दिनांक 17.04.06 को,दूसरी गाय दिनांक 11.02.07 को तथा तीसरी गाय दिनांक 11.02.07 को दी गयी। टीटू ने दिनांक 1.5.06 से 31.1.09 तक **11445** लीटर दूध दुगध समिति को बेचकर रूपये **1,27,252.00** का भुगतान प्राप्त किया है।

दुग्ध व्यवसाय अपनाने सें हितग्राही के रहन सहन में आया सुधारः

दुग्ध व्यवसाय शुरू करने के बाद टीटू ने अच्छा घर बनाया है,। मजदूरी हेतु गुजरात नहीं जाता है। मोटर साइकिल तथा मोबाइल क्रय किया है।रू 15000.00 बैंक में जमा किए है।,गोबर की खाद का इस्तेमाल कर रूपये **4000** की बचत करता है और कर्जा लेने हेतु गहनो को गिरवी नहीं रखना पड़ता है। 2 वर्षो से घर का सामान गहने गिरवी नहीं रखने पड़े है। घर पर ही दूध , दही,छांछ का उपभोग होने लगा है।